दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 220 मंगलवार 3 मार्च 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

दैनिक भारतीय बस्ती के पाठकों, शुभेच्छुओं, विज्ञापनदाताओं, वितरकों के साथ ही जन–जन को रंगों के पर्व होली की ढेरों मंगलकामना–

– सम्पादक

सूचना

होली के अवसर पर दैनिक भारतीय बस्ती प्रेस एवं कार्यालय 3 एवं 4 मार्च को बंद रहेगा। आगामी अंक 6 मार्च को प्रकाशित होगा।

– व्यवस्थापक

खेले मसाने में होली दिगंबर, होली खेले

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पंडित ज्वाला प्रसाद संगीत सेवा संस्थान पर होली के पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यक्रम में बच्चों ने फाग के गीत की प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया। संगीत शिक्षक राजेश आर्य, संगीत शिक्षिका रजनी गुप्ता ने कहा कि शास्त्रीय संगीत में होली का अत्यधिक महत्व है या त्योहार संगीत नृत्य एवं रंगों से भरपूर है। सचिव संतोष श्रीवास्तव ने कहा कि होली के दिन सभी एक दूसरे को रंग लगाकर भाईचारे का संदेश देते हैं।

कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक विनोद कुमार उपाध्याय ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ। इसके बाद कार्यक्रम में राग काफी, आज जमुना के तीर, होरी महिनवां मां बरसे न बरसे, खेले मसाने में होली दिगंबर, होली खेले राम मिथिलापुर मां, होली खेल रहे नंदलाल वृंदावन की कुंज गलिन मां फाग गीतों की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में अनमोल, स्वरांग, आदर्श मिश्रा, सदरे आलम, विवेक, प्रिंस शर्मा, आराध्या चतुर्वेदी, श्याम मिश्रा, सुधाकर, नितेश, प्रमोद, शैलेश, शुभ, नीलू, अनुष्का, स्वरिशा, रश्मि, अंशिका सिंह, रीना, शैलजा श्रीवास्तव, अपर्णा ने भाग लिया। वाद्य यंत्र पर अनमोल शाही ने अपनी प्रस्तुति दी।

होली के लिये सजे बाजार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती ।होली का त्योहार नजदीक आने के साथ ही बाजारों में रौनक बढ़ गई है। बाजारों में ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही है। इस वर्ष पारंपरिक गुलाल के अलावा बच्चों और युवाओं के लिए आकर्षक मुखौटे और आधुनिक पिचकारियां खास आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।

दुकानदारों ने बताया कि इस साल 'घोस्ट फेस' और जानवरों वाले मुखौटों की मांग अधिक है। बाजार में चटक लाल, पीला, नीला और गुलाबी जैसे विभिन्न रंगों के गुलाल उपलब्ध हैं। बच्चों के लिए लंबी दूरी तक मार करने वाली प्रेशर पिचकारियां और टैंक वाली पिचकारियां भी खूब बिक रही हैं।महंगाई के बावजूद खरीदारों के उत्साह में कमी नहीं आई है। लोग रंगों के साथ–साथ टोपी और चश्मों जैसे अन्य सामानों में भी रुचि दिखा रहे हैं। दुकानदारों को उम्मीद है कि बिक्री ठीक रहेगी। किराना, सब्जी की दूकानों पर भी खरीदार जुटे हैं।

अमेरिका के तीन लडाकू विमान ढेर: ईरान ने नेतन्याहू के ऑफिस में दाग दिया बैलेस्टिक मिसाइल

तेल अबीब/ तेहरान (आभा)। ईरान ने सोमवार को मिडिल–ईस्ट के 4 देशों में 6 अमेरिकी बेस पर हमला किया है। कुवैत में अमेरिका के कई फाइटर जेट क्रैश हो गए है। जेट हवा में गोल–गोल घूमने के थोड़ी देर बाद जमीन से टकरा गए। हालांकि, इसमें किसी मौत की नहीं हुई है। दूसरी ओर ईरान के टॉप नेशनल सिक्योरिटी अधिकारी अली लारीजानी ने सोमवार को कहा कि ईरान अमेरिका से कोई बातचीत नहीं करेगा। यह बयान उन खबरों के जवाब में आया है, जिनमें कहा गया था कि ईरान ने अमेरिका से फिर से बातचीत शुरू करने की कोशिश की है। वहीं कुवैत ने सोमवार को गलती से 3 अमेरिकी फाइटरजेट्स को दुश्मन का विमान समझकर निशाना बनाया। हादसे में सभी अमेरिकी पायलट सुरक्षित हैं।

कुवैत में अमेरिकी फाइटर जेट क्रैश हुए। फुटेज में फाइटर जेट जमीन पर गिरता दिख रहा है।

अल–जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका और इजराइल ने मिलकर अब तक ईरान के 1000 से ज्यादा ठिकानों पर हमले किए हैं। इस दौरान शुरुआती 30 घंटे में 2000 से ज्यादा बम गिराए गए। इनमें अब तक 555 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 700 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। एक स्कूल पर मिसाइल गिरने से 180 छात्राओं की मौत हो गई और 45 घायल हैं।

28 फरवरी को शुरू हुई इस लड़ाई के पहले दिन हुई बमबारी में ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए थे। इसके अलावा रविवार को 3 अमेरिकी सैनिक मारे गए थे।

इजरायल और अमेरिका के साझा हमले में अपने सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई को खोने के बाद ईरान पलटवार कर रहा है। वो लगातार मीडिल ईस्ट के देशों को निशाना बनाकर मिसाइल व ड्रोन से अटैक कर रहा है। इजरायल पर भी ईरान की तरफ से लगातार अटैक किए जा रहे हैं। अब ईरान की तरफ से एक बड़ा दावा किया जा रहा है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने सोमवार को दावा किया कि उसने तेल अवीव में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय को सफलतापूर्वक निशाना बनाया है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि कथित हमले के समय 76 वर्षीय इजरायली नेता कार्यालय में मौजूद थे या नहीं। आईआरजीसी ने एक बयान में कहा क अपराधी इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कार्यालय और शासन के वायु सेना कमांडर के ठिकाने पर खेबर शेकान बैलिस्टिक मिसाइलों से 10वीं लहर के दौरान लक्षित और अचानक हमले किए गए।

हालांकि, इजराइल या इजराइली मीडिया ने अभी तक कोई बयान जारी नहीं किया है और न ही ईरान के दावे की पुष्टि की है। अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मृत्यु के बाद से मध्य पूर्व में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। ईरान ने तुरंत जवाबी कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में इजराइली और ईरानी ठिकानों को निशाना बनाया है। इससे पहले 1 मार्च को हुए हमले में इजराइल के बेत शेमेश में ईरानी हमलों में आठ लोग मारे गए और 20 अन्य घायल हो गए। यह घटना ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की अमेरिका और इजराइल के संयुक्त सटीक हमलों में हुई हत्या के एक दिन बाद घटी है। बेत शेमेश मध्य इजराइल का एक शहर है, जो यरुशलम से पश्चिम में 30 किमी या 19 मील की दूरी पर स्थित है। इजराइल की आपातकालीन चिकित्सा टीमें बचाव अभियान के लिए घटनास्थल पर पहुंच चुकी हैं। घायलों को घटनास्थल से निकालने के लिए एक हेलीकॉप्टर भी बुलाया गया है। मैगन डेविड अदोम के प्रवक्ता जाकी हेलर ने कहा कि बेत शेमेश पर हुए सीधे हमले में चार लोग मारे गए।

शांतिपूर्ण होली के लिये पुलिस प्रशासन अलर्ट

भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। होली पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। पुलिस लाइन सभागार में पुलिस उपमहानिरीक्षक, बस्ती परिक्षेत्र संजीव त्यागी और पुलिस अधीक्षक, बस्ती डॉ. यशवीर सिंह की अध्यक्षता में एक अहम बैठक आयोजित की गई। इसमें अपर पुलिस अधीक्षक, समस्त क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक–थानाध्यक्ष और शाखा प्रभारी उपस्थित रहे।

बैठक में सभी थाना क्षेत्रों में संवेदनशील और अतिसंवेदनशील स्थानों की पहचान कर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए गए। होली के दौरान रंग, पानी और गुब्बारों के अनुचित प्रयोग पर विशेष निगरानी रखने तथा महिलाओं, बच्चों और वृद्धजनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

अवैध शराब, गांजा, अफीम और अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री व सेवन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिए विशेष चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। डीजे और लाउडस्पीकर के अनधिकृत प्रयोग पर सख्ती बरतते हुए ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को भी कहा गया।

सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले तत्वों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। सभी थानों में 24•7 कंट्रोल रूम सक्रिय रखने, फ्लैग मार्च और गश्त बढ़ाने तथा आयोजनों की पूर्व सूचना लेने की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि होली का पर्व शांतिपूर्ण, सुरक्षित और आनंदमय वातावरण में संपन्न कराया जाएगा। किसी भी अप्रिय घटना पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने अनेक थाना क्षेत्रों के कस्बो में मार्च कर लोगों से शांतिपूर्ण पर्व मनाने का आवाहन किया साथ ही चेतावनी भी दिया कि किसी भी अप्रिय घटना पर तत्काल प्रभावी की जायेगी।

फंदे से लटका मिला किशोरी का शव

भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती।जिले के पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के कोड़रा पाण्डेय गांव में सोमवार सुबह एक किशोरी का शव पुराने घर की छत की कुंडी से लटका हुआ मिला। सूचना मिलने पर पुरानी बस्ती थाने के अतिरिक्त निरीक्षक रमजान अली और चौकी प्रभारी हड़िया संजय कुमार मौके पर पहुंचे।

मृतका की पहचान 17 वर्षीय दिपाली उर्फ दिव्या पाण्डेय पुत्री अजय कुमार पाण्डेय के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, दिपाली ने अपने पुराने घर के पूजा वाले कमरे की छत की कुंडी में दुपट्टे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

पुलिस अधिकारियों ने शव को नीचे उतरवाया और तत्काल पोस्टमार्टम के लिए भेजा। चौकी प्रभारी की सूचना पर फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची। फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्रित किए।

चौकी प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और परिजनों से शिकायत पत्र मिलने के बाद मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शमशान घाट पर रंग भरे होली की पूर्व संध्या पर ऐतिहासिक ठहाका हास्य महामूर्ख कवि सम्मेलन में उमड़े लोग

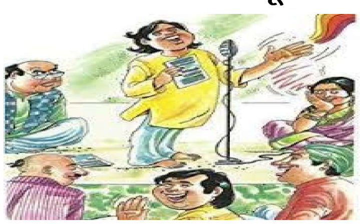

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । आत्म प्रशस्ति सेवा संस्थान उ.प्र. द्वारा कुंआनो नदी स्थित शमशान घाट पर रंग भरे होली की पूर्व संध्या पर ऐतिहासिक ठहाका हास्य महामूर्ख कवि सम्मेलन अभूतपूर्व नव युवक बालसोम गौतम एवं मूर्खाधिराज विनोद कुमार उपाध्याय के संयोजन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में शहर के अनेक सम्भ्रान्त श्रोताओं, भूत प्रेत और स्वर्ग लोक से अवतरित हुये कवियों ने हिस्सा लिया।

भूत प्रेत होलिका वंदना के साथ आरम्भ महामूर्ख कवि सम्मेलन के मुख्य अतिथि आधुनिक सुविधाओं से लैश पुष्पक विमान से लाये गये प्रसिद्ध मूर्ख सम्राट भयंकर ख्याति लब्ध नव युवक डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि धरती पर कवि सम्मेलन तो होते ही रहते हैं किन्तु होली के कवि सम्मेलन में पूर्वजों, आत्माओं, भूत प्रेतों का जो मिलन होता है वह अलौकिक है। ऐसी पम्परायें होली के गुझिया की मिठास बढा देती है। उनकी रचना ' एक नर्स के गाल पर मलने लगा गुलाल, त्यो ही पत्नी हो गई बहुत क्रोध से लाल, रंग में भंग हो गया। इस पर भूत प्रेतों के साथ बड़ी संख्या में बैठी महिला श्रोताओं ने ठहाके लगाये।

कार्यक्रम का संचालन मूर्ख सम्राट हास्य व्यंग्य के प्रसिद्ध एवं कुख्यात कवि डा. राम कृष्ण लाल जगमग ने संयोजक मूर्खाधिराज विनोद उपाध्याय की सुनियोजित दुर्व्यव्यवस्था के कारण बिना पिये ही किया, इस बार वे भांग के नशे में थे। कवियों के आक्रोश पर उन्होने पीने–पिलाने की बेहतर व्यवस्था नहीं करायी जिसकी भूत प्रेतों ने भी कड़ी निन्दा किया। संचालन कर रहे डा. जगमग ने कुछ यूं कहा– 'होली के दिन भंग पी, झूम रहे घनश्याम, राधा से कहने लगे अम्मा तुम्हें प्रणाम' इस पर श्रोताओं की पक्ति में बैठी उनकी धर्मपत्नी ने सड़े टमाटर

–स्वर्ग लोक से पधारे कवियों ने जमाया रंग, लगे ठहाके, बुरा न मानो होली है

फेंककर होली की खुशियों को साझा किया। विशेष अतिथि डा. त्रिभुवन प्रसाद मिश्र, श्याम प्रकाश शर्मा, ने भूत प्रेतों की कविता का आनन्द उठाया। महामूर्ख कवि सम्मेलन में स्वर्ग लोक से डा. सोहनलाल द्विवेदी, काका हाथरसी, निर्भय हाथरसी, बेढब बनारसी, बेधड़क बनारसी, सूड फैजाबादी, पं. चन्द्रशेखर मिश्र, रंगपाल, द्विजेश जी, पं. श्याम नरायन पाण्डेय, गोपाल जी शुक्ल, रामनरायन पाण्डेय पागल, गोपालदास नीरज, पं. केशरीधर द्विवेदी, लक्षराम भट्ट, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, श्याम तिवारी, बाल सोम गौतम, अब्बास अली बास, श्यामलाल यादव, शैल चतुर्वेदी, शरद जोशी, सरस्वती शुक्ल 'चंचल' रफीक सादानी, अदम गोण्डवी, विकल साकेती, राम नरायन पाण्डेय 'पागल' पं. मातादीन त्रिपाठी 'दीन', सुरेशधर द्विवेदी भ्रमर, गोपाल जी शुक्ल, डा. मुनिलाल उपाध्याय 'सरस', मुरली मनोहर सिंह,हरिनाथ उपाध्याय अटल, ताराशंकर नाशाद, चिन्ताहरण पाण्डेय 'फूल', घनश्याम प्रजापति 'दंगल' भिल्लड बांसवी आदि कवि विशेष विमान से अमहट तट पर पहुंचे तो उनका आयोजक मण्डल ने फूलों के रंगों से स्वागत किया।

स्वर्ग लोक से पधारे हास्य व्यंग्य सम्राट काका हाथरसी ने ज्यों ही सुनाया ' इस सादगी पर कौन न मर जाय ऐ काका लड़ती है मगर हाथ में बेलन भी नही है, इस रचना पर उपस्थित जीवित कवियों, श्रोताओं ने उन्हे स्मरण किया, काकी ने वास्तव में बेलन उठा लिया जिससे कुछ देर कवि सम्मेलन बाधित रहा। इस्लाम सालिक की रचना– कमस कम तुम्ही मत पड़ो मेरे पीछे, मेरे पीछे सारा जमाना पड़ा है, पर लोगों ने वाह–वाह कहा। हास्य रसावतार सूड फैजाबादी ने कुछ यूं कहा– पत्नी सुनियोजित बवाल है, प्रेमिका तस्करी का माल है' इस पर महिलाओं ने सड़ा आलू फेंककर उनका स्वागत किया। स्वर्ग से पधारे गोपाल जी शुक्ल की रचना ' यदि मेरे दस बच्चे होते, एक व्याहता चीन, एक जापान, एक भूटान में' आदि पर लोगों ने धैर्य रखकर उन्हें सुना। सत्येन्द्रनाथ मतवालाने काव्य पाठ से इंकार कर दिया। स्वर्ग से समाचार संकलन करने आये वरिष्ठ पत्रकार दिनेश चन्द्र पाण्डेय ने कहा कि हैसियत न हो तो ऐसे आयोजन न करे। कुव्यवस्था दुर्भाग्यपूर्ण है।

इसी कड़ी में मूर्खाधिराज डा. शंकर सिंह की रचना 'पत्नी बोली आपको नहीं हमारा डर, रंग खेलने के लिये गये पडोसन घर, डा. ज्ञानेन्द्र द्विवेदी दीपक की रचना– दसन जब टूट जाते हैं, मसूढे काम आते हैं' जवानी जब भटकती है तो बूढे काम आते है। इस पर श्रोताओं ने उन्हें परमबीर चक्र से सम्मानित करने का पुरजोर मांग किया। डा. अनुराग मिश्र 'गैर' की रचना– अपनों ने धोखा दिया इतना मुझे गैर से मैने मोहब्बत कर लिया' पर श्रोताओं में बैठी उनकी पत्नी ने भरी सभा में माये जाने की धमकी दे दिया। विनोद उपाध्याय की रचना– चोली रंगाई चुनरी रंगाई, न उठबू तो गोनरी रंगाई, फागुन में बोला भौजी का का रंगाई' को सुनकर अनेक कोयल, पपीहों के मन में प्रेम में पागल हो जाने का विचार आया।

इसी कड़ी में डा. ज्ञानेन्द्र द्विवेदी दीपक की रचना– दसन जब टूट जाते हैं, मसूढे काम आते हैं' जवानी जब भटकती है तो बूढे काम आते है। इस पर श्रोताओं ने उन्हें परमबीर चक्र से सम्मानित करने का पुरजोर मांग किया। डा. अनुराग मिश्र 'गैर' की रचना– अपनों ने धोखा दिया इतना मुझे गैर से मैने मोहब्बत कर लिया' पर श्रोताओं में बैठी उनकी पत्नी ने भरी सभा में माये जाने की धमकी दे दिया। प्रदीप चन्द्र पाण्डेय ने कहा' बुनियादी संघर्षो वाले जाने किधर गये, अफजल हुसेन अफजल ने कुछ यूं कहा कबिरा तेरे दोहे सबके तन–मन को महकाते, इस मानव जीवन पर अब तक प्रेम सुधा बरसाते' सुनाकर वाहवाही लूटी। कवि सम्मेलन का समाचार संकलन करने आये बृजेश पाण्डेय, संजय विश्वकर्मा, स्कन्द शुक्ल, हरि शंकर तिवारी, जयंत मिश्र, संदीप गोयल, देवेन्द्र पाण्डेय, अनुराग श्रीवास्तव, संदीप शुक्ल, दिलीप चन्द्र पाण्डेय, राकेश गिरी, राजेश पाण्डेय, रितिक आदि ने स्वर्ग लोक से आये कवियों के विशेष आदेश पर कविता बांचने की रस्म अदायगी किया। रमेश मिश्र, धनंजय श्रीवास्तव, वशिष्ठ पाण्डेय, अनिल श्रीवास्तव आदि ने शानदार फोटो खीचे। स्वर्ग लोग से आये कवियों ने उनके कैमरे छीन लिये। बड़ी मशक्कत के बाद उसे लौटाया गया। कार्यक्रम में डा. सुरेश उजाला, वेदान्ती पं. चन्द्रबली मिश्र, सागर गोरखपुरी, अफजल हुसेन अफजल, डा. राजेन्द्र सिंह, अनवर पारसा, जय प्रकाश गोस्वामी, डा. ओ.पी. वर्मा 'ओम' पेशकार मिश्र, नवनीत पाण्डेय, सुशील सिंह पथिक, हरिकेश प्रजापति, दीपक सिंह प्रेमी, शाद अहमद 'शाद' ताजीर बस्तवी, सतीश चन्द्र आदि की उपस्थिति और रचनाओं पर रंग भरा वाद विवाद आखिरी क्षणों तक चलता रहा।

मुख्य अतिथि डा. वी.के. वर्मा ने प्रत्येक कवियों को लिफाफे की जगह एक–एक बोतल और रंग भेंट किया कवियों ने सराहा। पीने पिलाने की समुचित व्यवस्था के साथ कवि सम्मेलन सम्पन्न हुआ। (बुरा न मानो होली है)।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द प्रकरण में शिवसेना ने किया राष्ट्रपति से हस्तक्षेप की मांग

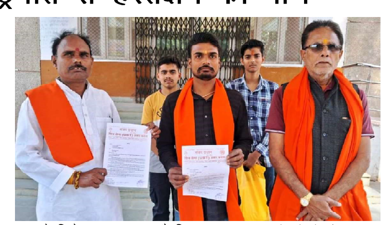

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शिव सेना यू.बी.टी. के प्रदेश सचिव संजय प्रधान के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने सोमवार को राष्ट्रपति को रजिस्टर्ड पत्र भेजकर मांग किया गया है कि शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द प्रकरण में हस्तक्षेप का इसका सुखद पटाक्षेप कराया जाय।

राष्ट्रपति को भेजे पत्र में कहा गया है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द के विरूद्ध निरन्तर राजनीतिक कारणों से षड़यंत्र किया जा रहा है। यद्यपि कि माननीय न्यायालय ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दिया है किन्तु सनातन परम्परा, गरिमा की रक्षा के लिये यह आवश्यक है कि राष्ट्रपति इस प्रकरण में रचनात्मक हस्तक्षेप कर इस प्रकरण का इस तरह से समाधान करायें कि सनातन परम्परा कमजोर न होने पाये।

पत्र भेजने के दौरान शिव सेना यू.बी.टी. के प्रदेश सचिव संजय प्रधान के साथ ई. रूपेन्द्र, शिवम प्रताप सिंह, सूरज कुमार शुक्ला, राधेश्याम शुक्ल आदि शामिल रहे।

विधायक दूध राम ने किया सड़क निर्माण का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को महादेवा विधानसभा क्षेत्र के विधायक दूध राम ने सड़क निर्माण कार्य का फीता काटकर उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान ताड़ी जोत ग्राम सभा में भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। विधायक का स्थानीय लोगों ने फूल–मालाओं से उनका स्वागत किया। दसकोलवा, ताड़ी जोत और चिलवनिया में लगभग 1.5 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य पूरा होने के बाद इसका विधिवत शुभारंभ हुआ। ग्रामीणों ने इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया और कहा कि सड़क बनने से आवागमन सुगम होगा।

विधायक दूध राम ने कहा कि महादेवा विधानसभा में लगातार सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है और विकास कार्य निरंतर जारी रहेंगे। उन्होंने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास का भरोसा दिलाया।

कार्यक्रम में ग्राम सभा प्रधान एवं रिटायर्ड तहसीलदार राजाराम, डा. श्रीराम, सुग्रीव प्रसाद, राम दरस, बाबू राम, पत्रकार अभिषेक सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बुद्ध प्रकाश, मदन, अश्विनी राव, दिलीप कुमार, मिथुन कुमार, आनंद, बालाजी, नितेश कुमार समेत बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चों ने भी भाग लिया और विकास कार्यों पर खुशी जताई।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती

बस्ती 3 मार्च 2026 मंगलवार

सम्पादकीय

अली खामनेई की हत्या और भारत

अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमले ने ईरान को गहरा आघात पहुंचाया है। हमले में ईरान के राष्ट्रपति और सर्वोच्च धार्मिक नेता अयातुल्ला अली खामनेई सहित उनके निकटतम सहयोगी मारे गए। यह घटना न केवल इस्लामिक जगत को हिला देने वाली थी, बल्कि पूरी दुनिया में आक्रोश की लहर पैदा कर दी। खामेनेई, जो दशकों से ईरान की धार्मिक और राजनीतिक नीतियों के प्रतीक थे, उनकी विदाई ने मुसलमानों के दिलों में गहरा शोक भर दिया। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से लेकर पाकिस्तान की सड़कों तक, प्रदर्शनकारियों की भीड़ सड़कों पर उतर आई। सबसे आश्चर्यजनक तथ्य यह था कि शिया और सुन्नी समुदाय, जो सदियों से विभिन्न मुद्दों पर विभाजित रहे हैं, इस बार एकजुट होकर खड़े दिखे। लखनऊ के इमामबाड़ों और मस्जिदों के बाहर शिया युवा सुन्नी भाइयों के कंधे से कंधा मिलाकर नारेबाजी कर रहे थे। बैनरों पर लिखा था, खामेनेई हमारा नेता, अमेरिका का अंत नजदीक। यह एकजुटता केवल भारत तक सीमित न रही। पाकिस्तान में तो गुस्सा इतना भड़का कि इस्लामाबाद में अमेरिकी दूतावास पर हमलावरों ने धावा बोल दिया। वहां की सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें दस लोग मारे गए। ईरान ने भी चुप न बैठने का फैसला किया। उसने न केवल हमले का बदला लिया, बल्कि उन देशों पर भी प्रहार किया जो अमेरिका—इजरायल के साथ खड़े थे। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और अन्य खाड़ी राष्ट्रों के ठिकानों पर ईरानी मिसाइलों की बौछार हो गई। जंग का दायरा तेजी से फैल रहा था।

इस घटना ने वैश्विक पटल पर कई सवाल खड़े कर दिए। सबसे बड़ा प्रश्न यह था कि क्या यह शिया—सुन्नी एकजुटता लंबे समय तक बनी रहेगी? इतिहास गवाह है कि मुसलमानों के इन दो प्रमुख संप्रदायों के बीच दरारें गहरी रही हैं। शिया समुदाय खुद को पैगंबर मुहम्मद के दामाद अली और उनके वंशजों का सच्चा उत्तराधिकारी मानता है, जबकि सुन्नी अधिकांश मुसलमानों को खलीफा अबू बकर, उमर और उस्मान के अनुयायी मानते हैं। इन मतभेदों ने सदियों से संघर्षों को जन्म दिया। लेकिन खामेनेई की मौत ने एक नया मोड़ ला दिया। पूरी दुनिया में मुसलमानों ने इसे इस्लाम पर प्रत्यक्ष हमला माना। लेबनान के हिजबुल्लाह से लेकर यमन के हूती विद्रोहियों तक, सभी शिया गुट सक्रिय हो गए। सुन्नी बहुल देशों जैसे तुर्की, मलेशिया और इंडोनेशिया में भी सड़कें उत्तेजित भीड़ से भर गईं। तुर्की के राष्ट्रपति ने खामेनेई को शहीद घोषित करते हुए अमेरिका के खिलाफ कड़े बयान दिए। मलेशिया की मस्जिदों से फतवे जारी हुए कि इस हमले का जवाब देना हर मुसलमान का फर्ज है। यह एकजुटता इसलिए मजबूत हुई क्योंकि अमेरिका और इजरायल को सामान्य दुश्मन के रूप में देखा गया। खाड़ी के सुन्नी राष्ट्र, जो ईरान के पारंपरिक शत्रु रहे हैं, इस बार चुप्पी साध ो रहे। सऊदी अरब ने भी खुले तौर पर अमेरिका का साथ न देकर तटस्थ रुख अपनाया। ईरान के हमलों ने इन देशों को झकझोर दिया, जिससे उनकी चुप्पी और गहरी हो गई।

अब भविष्य का अनुमान लगाना कठिन है। यदि जंग लंबी खिंचती है, तो शिया—सुन्नी एकजुटता टूट सकती है। ईरान के उत्तराधिकारी यदि कट्टर शिया नीतियां अपनाते हैं, तो सुन्नी राष्ट्र फिर से ईरान विरोधी मोर्चा बना सकते हैं। लेकिन यदि अमेरिका—इजरायल का दबाव बढ़ता है, तो यह एकजुटता मजबूत हो सकती है। लखनऊ जैसे शहरों में देखा गया कि युवा पीढ़ी सोशल मीडिया के जरिए एकत्रित हो रही थी। व्हाट्सएप ग्रुपों और फेसबुक लाइव पर शिया मौलवी सुन्नी विद्वानों के साथ संवाद कर रहे थे। यह बदलाव दीर्घकालिक साबित हो सकता है। पाकिस्तान में सुन्नी तालिबान गुटों ने भी शिया भाइयों का साथ दिया, जो दुर्लभ दृश्य था। ईरान ने अपनी सेना को हाई अलर्ट पर रखा है। उसके पास बैलिस्टिक मिसाइलें है जो इजरायल तक पहुंच सकती हैं। अमेरिका के नौसैनिक जहाजों पर हमले की योजना बन रही है। यदि रूस और चीन ईरान का साथ देते हैं, तो जंग विश्व युद्ध का रूप ले सकती है। भारत जैसे तटस्थ देशों को भी कूटनीतिक दबाव झेलना पड़ सकता है। लखनऊ में प्रदर्शनकारियों ने भारत सरकार से अपील की कि वह इस मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र में आवाज उठाए।

खामेनेई की मौत से पहले भी शिया—सुन्नी एकजुटता के कई उदाहरण देखे गए थे। सबसे प्रमुख फिलिस्तीन—इजरायल संघर्ष था। जब इजरायल ने गाजा पर बमबारी की, तब शिया बहुल ईरान और सुन्नी बहुल मिस्र, जॉर्डन एक साथ खड़े हुए। 2023 के अक्टूबर हमले में पूरी इस्लामिक दुनिया सड़कों पर उतरी। लेबनान के शिया हिजबुल्लाह और सुन्नी फिलिस्तीनी गुट हमास ने संयुक्त मोर्चा बनाया। दूसरा उदाहरण सीरिया का गृहयुद्ध था। हालांकि वहां आंतरिक कलह थी, लेकिन अमेरिका के हवाई हमलों के खिलाफ शिया ईरान और सुन्नी तुर्की ने कभी—कभी एक सुर में बोलना शुरू किया। 2013 में जब अमेरिका ने सीरिया पर हमला करने की योजना बनाई, तब शिया—सुन्नी नेताओं ने संयुक्त बयान जारी कर विरोध किया। तीसरा बड़ा मामला नरसंहार था। 1990 के दशक में जब सर्बियाई सेना ने मुसलमानों का कत्लेआम किया, तब ईरान ने शिया स्वयंसेवकों को भेजा और सऊदी अरब ने सुन्नी लड़ाकों को। दोनों ने मिलकर सहायता पहुंचाई। चौथा उदाहरण कश्मीर विवाद है। भारत के खिलाफ जब पाकिस्तान बोलता है, तो ईरान भी कभी—कभी समर्थन में आ जाता है। 2019 में जब अनुच्छेद 370 हटाया गया, तब तेहरान की मस्जिदों में कश्मीर के लिए दुआएं हुईं, और रियाद ने भी चिंता जताई। इन घटनाओं से सिद्ध होता है कि बाहरी आक्रमण के समय मुसलमान एकजुट हो जाते हैं। खामेनेई की मौत ने इस प्रवृत्ति को नई ताकत दी।

ईरान का जवाबी हमला अब चरम पर है। उसने इजरायल के सैन्य अड्डों पर ड्रोन हमले किए, जिसमें सैकड़ों सैनिक मारे गए। अमेरिका के सहयोगी देशों के तेल संयंत्रों पर प्रहार हुआ। वैश्विक अर्थव्यवस्था डगमगा रही है। तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं। भारत में भी पेट्रोल महंगा हो गया। लखनऊ के बाजारों में लोग चिंतित हैं। प्रदर्शन अब शांतिपूर्ण से हिंसक हो रहे हैं। सरकार को कर्फ्यू लगाना पड़ सकता है। लेकिन यह एकजुटता मुसलमानों के लिए नया अध्याय लिख रही है। यदि यह बनी रही, तो इस्लामिक जगत मजबूत होगा। अन्यथा, पुरानी दरारें फिर उभरेंगी। भविष्य अनिश्चित है, लेकिन इतिहास सिखाता है कि एकता ही सबसे बड़ा हथियार है। दुनिया अब सांस थामे देख रही है कि अगला कदम कौन उठाएगा। ईरान के नए नेता ने प्रतिज्ञा ली है कि बदला पूरा होगा। वैश्विक शक्तियां मध्यस्थता की कोशिश कर रही हैं, लेकिन सफलता संदिग्ध है। यह संकट न केवल मध्य पूर्व तक सीमित रहेगा, बल्कि पूरी सभ्यता को प्रभावित करेगा।

ईरान पर हमला और मध्यपूर्व का बढ़ता संकट

—पुष्परंजन—

ओमान को भी लगा है कि बातचीत के धोखे में ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई, उनके परिवार और दूसरे टॉप ईरानी अधिकारियों की हत्या सीआईए और मोसाद के बीच इंटेलिजेंस शेयरिंग के बाद हुई। अली खामेनेई की सत्ता पलटी जा सकती थी, उन्हें मारना ट्रंप—नेतन्याहू की 'कूटनीतिक मिसफायर' है। वो सद्दाम हुसैन नहीं थे। शनिवार को हुए हमलों में कम से दो सौ से अधि ाक लोग मारे गए हैं, जिनमें दक्षिणी ईरान के एक स्कूल में हुए 80 से ज्यादा लोग शामिल हैं। अमेरिका में इस हमले के हवाले से जो पोल कराया गया, उससे स्पष्ट हुआ कि केवल 33 फीसद लोग ईरान पर आक्रमण के पक्ष में थे। डेमोक्रेटिक हाउस माइनॉरिटी लीडर हकीम जेफ्रीस ने कहा, 'डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर हमला करने से पहले कांग्रेस से मंजूरी लेने में नाकाम रहे थे।' ट्रंप को कन्विंस करना होगा कि ईरान पर कार्रवाई के बाद अमेरिकन्स सुरक्षित हैं।

चीनी विदेश मंत्रालय मिडल ईस्ट में फंसे अपने नागरिकों को वहां से निकल लेने के कई विकल्प दे चुका है। मंत्रालय ने कहा कि अस्तारा बॉर्डर क्रॉसिंग के जरिए अजरबैजान में हमारे नागरिक बिना वीजा के आ सकते हैं, जो रोज सुबह 9रू00 बजे से शाम 4रू00 बजे तक खुला रहता है। अगराक क्रॉसिंग से आर्मेनिया में भी बिना वीजा के एंट्री मिलती है। चीनी दूतावास के मुताबिक, 'वान, आगरी और हक्कारी प्रांतों में बॉर्डर क्रॉसिंग के जरिए तुर्की में जमीन के रास्ते खुले हैं, जहां चीनी पासपोर्ट होल्डर्स को भी बिना वीजा के आने—जाने की इजाजत है। जो लोग इराक में घुसना चाहते हैं, वे शालमचेह बॉर्डर क्रॉसिंग के जरिए ऐसा कर सकते हैं, बशर्ते वे पहले से इलेक्ट्रॉनिक वीजा ले लें, या पहुंचने पर टेम्परेरी वीजा के लिए अप्लाई करें।'

मिडिल ईस्ट में कई एम्बेसी, जिनमें तुर्की, अजरबैजान और इराक शामिल हैं, ने उन चीनी नागरिकों के लिए अधिसूचना जारी की हैं, जो ईरान से इन देशों में इवैक्युएट होना चाहते हैं। इससे एक बात तो नजर आ रही है, कि मिडल—ईस्ट में लड़ाई लम्बी चलेगी। उसमें चीन और रूस की भूमिका अभी स्पष्ट नहीं है। इनकी पहली प्राथमिकता अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने की रहेगी। युद्ध प्रभावित और ईरानी टारगेट वाले देशों में कोई 50 हजार रूसी नागरिक हैं। कतर और बहरीन में कोई दो हजार रूसी नागरिकों को निकलने की चिंता क्रेमलिन को है। लेकिन चीन—रूस से कई गुना अधि ाक 97 लाख के करीब भारतीय नागरिक युद्ध प्रभावित गल्फ के देशों में हैं, उन्हें सुरक्षित निकालना आसान नहीं है।इराकी कुर्दिस्तान के एरबिल में हवाई हमले और धमाकों की खबर है। शिया मिलिशिया शरया उलिया अल—दाम ने उस जगह पर कब्जा करने का दावा किया, जहां एक बड़ी फ्यूल स्टोरेज की जगह थी। मूवमेंट के मिलिट्री विंग के प्रतिनिधियों ने घोषणा की, कि इराक में अमेरिकी सैनिकों, प्रॉपर्टी और इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले जारी रहेंगे। कतर, कुवैत, बहरीन, जॉर्डन और यूएई अमेरिकी मित्र और सैन्य ठिकानों वाले देश हैं। ईरानी ऑपरेशन में मरने वाले अमेरिकी सैनिकों की संख्या कथित तौर पर बढ़ गई है। कुवैत में एक बेस और बहरीन में अमेरिकी सैनिकों के ठिकानों पर ईरानी रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प के हमलों में सबसे ज्यादा अमेरिकी सैनिक मारे गए।

एक बात तो मान कर चलें, जिन—जिन देशों में अमेरिकी बेस हैं, वो मुल्क भी महफूज नहीं हैं। राजध ाानी दोहा के बाहर रेगिस्तान में 24 हेक्टेयर का अल उदीद एयर बेस, यूएस सेंट्रल कमांड का फॉरवर्ड हेडक्वार्टर है, जो पश्चिम में मिस्र से लेकर पूर्व में कजाकिस्तान तक फैले इलाके में अमेरिकी मिलिट्री ऑपरेशन्स को डायरेक्ट करता है। मिडिल ईस्ट के सबसे बड़े अल उदीद बेस में करीब 10,000 अमेरिकी सैनिक हैं। इसके अलावा कैंप आरिफजान में अमेरिकी सैनिकों का जमावड़ा है।

अमेरिकन आर्मी सेंट्रल का फॉरवर्ड हेडक्वार्टर, अली अल सलेम एयर बेस को माना जाता है, जो इराकी बॉर्डर से लगभग 40 किलोमीटर दूर है, और अपने ऊबड़—खाबड़ माहौल की वजह से 'द रॉक' के नाम से जाना जाता है। यूएस आर्मी की वेबसाइट के मुताबिक, कैंप ब्यूहरिंग 2003 के इराक युद्ध के दौरान बनाया गया था, और यह इराक और सीरिया में तैनात अमेरिकी आर्मी यूनिट्स के लिए एक स्टेजिंग पोस्ट है। अबू धाबी के दक्षिण में मौजूद अल धाफरा एयर बेस, अमेरिकी एयर फोर्स का एक अहम हब है। दुबई का जेबेल अली पोर्ट, मिडिल ईस्ट में यूएस नेवी का सबसे बड़ा पोर्ट ऑफ कॉल है, जहां नियमित रूप से अमेरिकी युद्धक विमान और दूसरे जहाज आते—जाते रहते हैं।

रंगों और मस्ती का उत्सव होली

—प्रमोद जोशी—

रंगों और मस्ती का उत्सव होली आती है तो प्रकृति भी इस समय खिल जाती है और मन भी। देश के अलग—अलग हिस्सों में इससे जुड़ी रोचक परंपराएं हैं। होली का उल्लेख प्राचीन मंदिरों, लोक कथाओं और पौराणिक ग्रंथों में भी है। इसके साथ खान—पान, संगीत, दस्तकारी और लोक कलाओं की रिवायतें जुड़ी हैं। होली के रंग अमीर—गरीब का भेद व वैर—भाव भुलाकर सभी को बराबरी पर लाते हैं। यह पर्व सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है।

होली रंगों का त्योहार है, पर केवल रंग उड़ाने या मौज मस्ती तक सीमित नहीं है। अवध के इलाके में परंपरा है कि होली के बाद सब एक—दूसरे के गले मिलते हैं। यह क्रम करीब एक पखवाड़े तक चलता है। हरेक परिवार अपने पड़ोस के हरेक घर में होली मिलने जाता है। पड़ोसी उनके घर आते हैं। यह क्रम करीब एक पखवाड़े तक चलता है। ऐसी परंपराएं होली को सामाजिक मेलजोल का सबसे बड़ा त्योहार बनाती हैं। पूरे देश में ऐसा ही कुछ किसी न किसी रूप में और किसी न किसी परंपरा के साथ होता है। यह कई दिन चलने वाली गतिविधि है, जो चार महीनों की ठंडक के कारण उपजी निष्क्रियता को तोड़ने का काम करती है। पूरे देश के अलग—अलग हिस्सों में इससे जुड़ी रोचक परंपराएं हैं, जो केवल रंग बिखेरने से ही नहीं जुड़ी है। इसके साथ खान—पान, संगीत, दस्तकारी और लोक कलाओं की जबर्दस्त परंपराएं जुड़ी हुई हैं। होली के रंग ऊंच—नीच, अमीर—गरीब, जाति और धर्म के बंधनों को तोड़कर, वैर—भाव भूलकर सभी को समान धरातल पर लाते हैं। यह पर्व सामाजिक सद्भाव और दोस्ताना समाज की स्थापना करता है।

वसंत पंचमी से ही फाग और ध ामार का गाना प्रारंभ हो जाता है। प्रकृति भी इस समय खिली हुई होती है। सरसों के पीले फूल धरती को रंग देते हैं। गेहूं की बालियां निकल आती हैं। आम पर बौर फूलने लगते हैं। किसान खुश होकर गीत गाते हैं। यह त्योहार सभी पृष्ठभूमि के लोगों को एक साथ लाता है, जाति, पंथ और उम्र की बाधाओं को पार करते हुए एकता और समुदाय की भावना को बढ़ावा देता है। क्षमा और मेल—मिलाप को प्रोत्साहित करता है। खुशी की बेलाग अभिव्यक्ति और कड़वाहटों को भुला देने का दिन।

जब हम इसके इतिहास पर जाते हैं, तब पता लगता है कि यह देश के सबसे पुराने त्योहारों में से एक है। इतिहासकारों के अनुसार आर्यों में इस पर्व का प्रचलन था। विंध्य क्षेत्र के रामगढ़ से प्राप्त ईसा से 300 वर्ष पुराने एक अभिलेख में होली मनाए जाने का उल्लेख मिलता है। जैमिनी के पूर्व मीमांसा—सूत्र और कथा गृह्य—सूत्र, नारद पुराण और भविष्य पुराण में भी इसका उल्लेख मिलता है। सातवीं शताब्दी के राजा हर्ष ने अपनी रचना 'रत्नावली' में होलिकोत्सव का उल्लेख किया है।

ग्यारहवीं सदी में फारस से आए विद्वान अल—बिरूनी ने भी अपनी पुस्तकों में होली मनाने का उल्लेख किया है। मध्ययुग में देश में जब मुस्लिम आबादी भी बढ़ी, तब भी यह केवल हिंदू आबादी तक सीमित पर्व नहीं रहा। उर्दू के सैकड़ों शायरों ने होली को रूपक बनाकर रचनाएं लिखी हैं। नजीर अकबराबादी की नज्म है रू जब फागुन रंग झमकते हों तब देख बहारें होली कीध और दफ के शोर खड़कते हों तब देख बहारें होली कीध्परियों के रंग दमकते हों तब देख बहारें होली कीध खुम, शीशे, जाम, झलकते हों तब देख बहारें होली की। वहीं सागर निजामी का यह शेर रू फस्ल—ए—बहार आई है होली के रूप मेंध सोलह सिंगार लाई है होली के रूप में।

विभाजन की तमाम तल्खियों के बावजूद आज भी पाकिस्तान में होली खेली जाती है, कट्टरपंथियों और सरकार के भारी विरोध के बावजूद। मुगल पेंटिंगों में होली के दृश्य मिलेंगे। इसे 'ईद—ए—गुलाबी' या 'आब—ए—पाशी' कहा जाता था। इन पेंटिंगों में बादशाहों, बेगमों और दरबारी महिलाओं को रंग, पिचकारी और संगीत के साथ उत्सव मनाते हुए देखा जा सकता है। ये मिनिएचर पेंटिंग 18वीं सदी के दौरान, विशेषकर मुहम्मद शाह और बहादुर शाह जफर के समय में, बहुत प्रसिद्ध हुईं। अवध ा के नवाब, विशेषकर वाजिद अली शाह, गंगा—जमुनी तहजीब के तहत ध ूमधाम से होली मनाते थे। वे गुलाल, इत्र और चांदी की पिचकारियों से रंग खेलते थे और ठुमरी गाते थे।

होली की जीवंत कल्पना प्राचीन मंदिरों की दीवारों पर भी मिलती है। हम्पी के एक मंदिर के 16वीं सदी के पैनल में एक शाही जोड़े के साथ रंगीन पानी में सराबोर होली का आनंददायक दृश्य दर्शाया गया है। इसी तरह, 16वीं सदी की अहमदनगर पेंटिंग वसंत रागिनी के सार को दर्शाती है, जिसमें एक शाही जोड़े को कुछ युवतियों और जीवंत रंगों के बीच संगीत का आनंद लेते हुए दिखाया गया है। मध्यकालीन भारतीय मंदिरों में कई पेंटिंग और भित्ति चित्र हैं जो होली का दृश्य वर्णन प्रदान करते हैं। होली का उल्लेख किंवदंतियों, लोक कथाओं और पौराणिक कथाओं में मिलता है। वह बुराई पर अच्छाई की विजय और भक्ति की जीत का प्रतीक भी है। सबसे प्रमुख किंवदंती राक्षस राजा हिरण्यकश्यप के इर्द—गिर्द घूमती है, जो प्रजा से केवल अपने प्रति पूर्ण—भक्ति चाहता था। उनका अपना पुत्र प्रह्लाद ही ईश्वर का प्रबल भक्त बन गया, तो क्रोधित राजा ने अपनी बहन होलिका को प्रह्लाद के साथ ध ाधकती आग में प्रवेश करने का आदेश दिया। होलिका के पास वरदान था जो उसे आग से बचाता था। प्रह्लाद की अटूट भक्ति ने उसे बचा लिया, जबकि होलिका को इसकी कीमत चुकानी पड़ी। भगवान कृष्ण की कथा भी होली के साथ जुड़ी हुई है, क्योंकि उन्होंने अपनी प्रिय राधा और अन्य गोपियों को रंग लगाकर खेलने की परंपरा शुरू की थी। इस परंपरा ने लोकप्रियता हासिल की और होली समारोह का एक अभिन्न अंग बन गई। आज भी ब्रज की होली का रंग ही निराला है। एक है 'लट्ठमार होली',जिसे त्योहार के एक सप्ताह पहले से मनाया जाता है। बरसाना, मथुरा और वृंदावन की अपनी—अपनी परंपराएं हैं।

होली की अपनी संगीत परंपरा है। अक्सर होली गीतों में आप राध ाा—कृष्ण की होली का वर्णन सुनेंगे। ब्रज क्षेत्र गीत—संगीत के मामले में प्राचीन काल से ही धनी रहा है। सोलहवीं सदी के आसपास के समय में, जिसे भक्तिकाल कहते हैं अनेक वैष्णव संत संगीतज्ञ भी हुए हैं। स्वामी हरिदास, उनके गुरु आशुधीर और उनके शिष्य तानसेन आदि प्रसिद्ध हैं। बैजूबावरा भी इसी इलाके से थे। हिंदी—साहित्य के रीति कालीन कवियों ने और वैष्णव संप्रदाय के भक्त कवियों ने राधाकृष्ण की होली—लीला का वर्णन अपने छंदों और पदों में किया है। बल्लभ कुल के अष्टछाप कवियों ने होली का रसयुक्त वर्णन किया है। इनमें संगीतज्ञ कवि सूरदास, नन्ददास, परमानन्द दास जैसे कीर्तनकार, कवि और गायक हुए। स्वामी हरिदास ने ध रुपददृधमार की गायकी के अलावा ब्रज—संगीत और रास—नृत्य की परम्परा चलाई। कहते हैं कि यहां सबसे पहले बल्लभाचार्य ने स्वामी हरदेव के सहयोग से विश्रांत घाट पर रास किया। रास मूलतः कृष्णलीला है। इसमें होली भी शामिल है। मथुरा, वृन्दावन, गोकुल और गोवर्धन लंबे समय तक संगीत के केंद्र बने रहे और यहां दूर—दूर से लोग संगीत कला सीखने आते रहे।

अलग—अलग राज्यों में होली को अलग—अलग नामों से जाना जाता है और अलग—अलग तरीकों से मनाया जाता है — पंजाब में होला मोहल्ला, बिहार में फगुवा, आंध्र में मेदुरू होली, महाराष्ट्र में रंग पंचमी, गोवा और कोंकण में शिग्मो, गुजरात में गोविंद होली, बंगाल और ओडिशा में डोल पूर्णिमा, कर्नाटक में कामना हब्बा, केरल में मंजुल कुली और उक्कुली, असम में फकुवा और मणिपुर में याओसांग।

ऊपर हमने बरसाने की लट्ठमार होली का विवरण दिया है। वहीं वृंदावन में फूलों की होली खेली जाती है। राध ाा—कृष्ण के दिव्य प्रेम से प्रेरित, यहां के उत्सवों में मंदिर भक्तों पर सुगंधित फूलों की पंखुड़ियां बरसाते हैं, जिससे एक मंत्रमुग्ध कर देने वाला अनुभव होता है। बंगाल के शांतिनिकेतन में होली को बसंत उत्सव के रूप में मनाया जाता है जहां छात्र पीले कपड़े पहनते हैं, रवींद्रनाथ ठाकुर की रचनाओं को संगीतबद्ध कर गाते हैं और नृत्य, संगीत और कविता के साथ वसंत का स्वागत करते हैं।

पंजाब के आनंदपुर साहिब में इस अवसर पर होला मोहल्ला तीन दिनों के वार्षिक मेले के रूप में मनाया जाता है। इसकी शुरुआत गुरु गोबिंद सिंह ने 18वीं सदी में की थी। बंगाल में इसे 'डोल यात्रा' के रूप में जाना जाता है, और यह उत्सव भगवान कृ ष्ण को समर्पित है। इसमें राधा और भगवान कृष्ण की मूर्तियों को पालकी में रख गायन और नृत्य के साथ जुलूस निकाला जाता है। रास्ते में भक्तों पर रंग और पानी छिड़का जाता है। बंगाल और उड़ीसा में, होली पूर्णिमा को श्री चौतन्य महाप्रभु (1486—1533 ई.) के जन्मदिन के रूप में भी मनाया जाता है।मणिपुर में, इस त्योहार के दौरान 'यावोल शांग' नामक 5 दिवसीय उत्सव होता है। इसे भगवान पाकहंगबा के प्रति श्रद्धांजलि के रूप में मनाया जाता है, और प्रत्येक दिन के अपने रीति—रिवाज और परंपराएं होती हैं। रंग और पानी से खेलने का उत्सव आखिरी दो दिन होता है। दक्षिण भारत में होली उत्तर भारत से कुछ अलग, पर अपनी अनोखी सांस्कृतिक परंपराओं के साथ मनाई जाती है। यहां होली कामदेव की कहानी पर आधारित है, जिसे तमिलनाडु और आंध्र में कामदहनमया कमुडु प्यत्ती,कर्नाटक में कामना हब्बा और केरल में मंजुल कुलीया उकुली नाम से जाना जाता है। यह बुराई पर अच्छाई की जीत और कामदेव के बलिदान की याद में आयोजित की जाती है। यह रंगभरी नहीं होती, जितनी उत्तर में होती है, पर अच्छाई की जीत का जश्न मनाने के लिए अलाव जलाए जाते हैं।

रंग, नृत्य और गायन के अलावा, एक चीज जो इस त्योहार के दौरान सभी समुदायों को एक साथ लाती है, वह है खान—पान। लोग एक—दूसरे के घरों पर मिलने जाते हैं। उनका स्वागत व्यंजनों से होता है। इस त्योहार का समय दिन के बढ़ते तापमान के साथ मेल खाता है, जिसमें ठंडाई जैसा शीतल पेय बहुत पसंद किया जाता है। वहीं कुरकुरे—करारे खोल और नरम मीठे खोया और मेवा भरी गुझिया होली की लोकप्रिय मिठाई है।गुझिया के भी देश में कई रंग और रूप हैं। महाराष्ट्र में इसे करंजी, बिहार में पेड़किया या पुड़किया, और गुजरात में घुघरा के नाम से भी जाना जाता है। दक्षिण भारत में इसी गुझिया को मुख्य रूप से कज्जिकयालु (आंध ्र प्रदेशध्तेलंगाना में) और सोमासी या सोमास (तमिलनाडु में) कहा जाता है। वहीं कर्नाटक में इसे करजिकायी के नाम से भी जाना जाता है। कुछ घरों में इसे सूजी से बनाते हैं, और कुछ लोग मैदे से बनाते हैं। कहीं यह चाशनी में लिपटी होती हैं, तो कहीं सादी होती है। इसके अलावा मालपुआ, होली के व्यंजनों को संपूर्णता प्रदान करता है। इनके साथ होते हैं दही बड़े। पूरन पोली महाराष्ट्र होली समारोह का अभिन्न अंग है।—

भारत की खामोशी बहुत भारी पड़ेगी

—राजेश श्रीवास्तव—

दुनिया तीसरे विश्व युद्ध के मुहाने पर खड़ी है। विश्व भर के दस देशों में ईरान और अमेरिका व इजरायल के बीच हुए युद्ध की धमक देखी जा सकती है। दुनिया के कई देश में इसमें न चाहते हुए भी शामिल हो गये हैं। भारत ने हमेशा की तरह इस बार भी खामोशी ओढ़ रखी है। जब कई प्रमुख देश अमेरिका की खुलकर निंदा कर रहे हैं तब भारत ने वही पुराने रटे—रटाये बयान जारी किये हैं कि सभी देश नियंत्रण बरतें। युद्ध कोई रास्ता नहीं है। भारत की यह खामोशी इस बार भारत को बहुत महंगी पड़ने वाली है पहले बात करते हैं कि भारत को न चाहते हुए भी क्या—क्या गंवाना पड़ सकता है फिर अन्य पहलू पर भी बात होगी।

यूएस—इजरायल और ईरान के बीच छिड़ी जंग का असर भारत में भी पड़ने वाला है। इससे तेल की कीमतें बाधित हो सकती हैं। भारत का लगभग 50ः कच्चा तेल होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आयात होता है, जिसपर ईरान का दबदबा है। मिडिल ईस्ट में छिड़े इस युद्ध का असर कई देशों पर पड़ने वाला है, इसमें भारत भी शामिल है। भारत—ईरान की भले ही जमीनी सीमाएं नहीं मिलती हों, लेकिन भौगोलिक रूप से वह हिदुस्तान का पड़ोसी क्षेत्र है। ऊर्जा सुरक्षा लिहाज से ईरान भारत के लिए अहम माना जाता है। दरअसल, भारत दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता है। वह 80ः से अधिक तेल आयात करता है. रूस के बाद वह सबसे ज्यादा क्रूड ऑयल इराक, सऊदी अरब, यूएई, कुवैत और ओमान से खरीदता है, जो होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते भारत पहुंचता है। इस एरिया पर ईरान का कब्जा है। ईरान ने अब इस रास्ते को बंद कर दिया तो भारत में तेल की कीमतों में बड़ा उछाल आ सकता है।

इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल का दाम बढ़ने की आशंका है। अगर 1 डॉलर की भी बढ़ोतरी हुई तो भारत 9,००० करोड़ रुपये सालाना के हिसाब से नुकसान होगा। इससे देश का राजकोषिय घाटा ही नहीं बढ़ेगा, बल्कि रुपये की वैल्यू भी गिरेगी। तेल महंगा होने का असर अन्य चीजों पर भी पड़ेगा। जैसे माल ढुलाई महंगी हो जाएगी। फल—सब्जी और रोजमर्रा की चीजें महंगी हो सकती हैं। जिसका बोझ सीधा आम आदमी की जेब पर पड़ेगा। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, यूएस—इजरायल और ईरान की यह जंग अगर लंबी खिचती है तो 2०26 की अंतिम तिमाही तक कच्चे तेल की कीमतें 91 डॉलर बैरल को पार कर सकती हैं। सोचिए जब भारत 67 डॉलर प्रति बैरल से भी कम कीमत अभी कच्चा तेल खरीद रहा है, तब पेट्रोल की कीमत 1०० रुपये प्रति लीटर के करीब है। अगर यह 1०० डॉलर प्रति बैरल हो गई तो तेल के भाव कितने होंगे। मिडिल ईस्ट के इस वॉर से तेल ही नहीं, बल्कि सोना—चांदी और कॉपर के दाम में भी उछाल आ सकता है। भारत दुनिया के देशों से भारी मात्रा में गोल्ड—सिल्वर खरीदता है।

अब बात इरान की तो यह जान लीजिये कि कमजोर होकर भी ईरान बेहद खतरनाक है। लगभग पचास साल से ईरान अमेरिका के साथ जंग की आहट सुन रहा था। इसी को ध्यान में रखते हुए अपनी तैयारियां भी कर रहा था। चूंकि वह अमेरिका की सैन्य शक्ति से सीधे मुकाबला नहीं कर सकता और इस्राइल के जंग में कूदने की स्थिति में उसके लिए राह और भी मुश्किल थी, इसलिए उसकी रणनीति अलग तरह की रही। उसने ऐसे तरीकों के बारे में सोचा, जिनसे हमला करने वाले देश को नुकसान उठाना पड़े और पूरे पश्चिम एशिया के साथ—साथ वैश्विक अर्थव्यवस्था को हिलाया जा सके। ईरान की सेना को पश्चिम एशिया में काफी ताकतवर माना जाता है। ग्लोबल फायरपावर के अनुसार, यह विश्व की शीर्ष 2० सैन्य शक्तियों में शामिल है और 145 देशों में से 16वें स्थान पर है। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज के अनुसार, ईरानी सशस्त्र बल पश्चिम एशिया की सबसे बड़ी सेनाओं में से एक है, जिसमें कम से कम 5,8०,००० सक्रिय सैनिक हैं। लगभग 2,००,००० प्रशिक्षित आरक्षित सैनिक हैं। ईरान के दुश्मन उससे भले ही डरते नहीं हों, लेकिन वे जानते थे कि उसके खिलाफ कोई भी युद्ध बेहद गंभीर होगा।

198० के दशक में इराक के साथ युद्ध के दौरान बहुत कम देश ईरान को हथियार बेचने के लिए तैयार थे। जब 1989 में जंग खत्म होने के एक साल बाद आयातुल्लाह खामेनेई ईरान के सर्वोच्च नेता बने। उन्होंने रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स को देश में हथियार प्रणाली बनाने का आदेश दिया। इस प्रयास में भारी संसाधन लगाए गए। वे यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि ईरान को अपनी रक्षा जरूरतों के लिए फिर कभी विदेशी शक्तियों पर निर्भर न रहना पड़े।

जायदाद के लिए जल्लाद बना बेटाः होली से पहले खून से रंग दिया आंगन, मां–बाप, दादी व बहन को कुल्हाड़ी से काट डाला

संवाददाता– बहराइच । युवक ने अपने माता–पिता, बहन और दादी को मार डाला। परिवार पर 30 मिनट तक कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार करता रहा। बीच–बचाव करने आए बड़े भाई की भी जान लेने की कोशिश की, लेकिन किसी तरह वो बच गया। 10 साल का भतीजा पूरी वारदात को छिपकर देखता रहा।

चीख–पुकार सुनकर गांव वाले भागकर मौके पर पहुंचे तो मंजर देखकर दंग रह गए। फर्श और बेड पर लाशें बिछी थीं। बड़ा भाई दर्द से कराह रहा था। लोगों को देखकर आरोपी ने सुसाइड करनी चाही। ईंट से अपने सिर पर कई वार किए। खून ज्यादा बहने की वजह से बेहोश हो गया। सूचना पर पुलिस पहुंची। आरोपी को गिरफ्तार कर जिला अस्पताल भिजवाया। हालत गंभीर होने की वजह से उसे लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि दोनों भाइयों के बीच संपत्ति को लेकर कई वर्षों से विवाद चल रहा था।

देर रात इसी विवाद को लेकर दोनों में कहासुनी होने लगी। इस दौरान गुस्से में आकर युवक ने कुल्हाड़ी से पूरे परिवार पर हमला कर दिया। फिलहाल फॉरेंसिक टीम ने हमले में इस्तेमाल कुल्हाड़ी बरामद कर ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना जिला मुख्यालय से 45 किलोमीटर दूर रुपईडीहा थाना क्षेत्र के रामनगर बसंतपुर उदल गांव की है। रुपईडीहा थाना क्षेत्र के बसंतपुर रूदल (मजरे रामनगर) गांव का रहने वाला गुरुदेव प्रसाद वर्मा (43) का अपने छोटे भाई निरंकार वर्मा (40) से पिछले कई सालों से संपत्ति को लेकर विवाद था। परिवार के पास कुल 18 बीघे कृषि भूमि थी, जिस पर दोनों भाई खेती करते थे।

पिता बदलू राम (60) ने करीब 15 वर्ष पहले 18 बीघा में से थनवी गांव की 12 बिसवा जमीन में बेची थी। उस बिक्री से मिले पैसों से अपने गांव में लगभग 1 बीघा 10 बिसवा जमीन खरीदी गई थी। पर इसका पैसों का हिस्सा निरंकार को नहीं मिला था। इसी बात का विवाद चल रहा था।

परिजनों के मुताबिक, रविवार रात निरंकार अपने हिस्से के पैसे मांगने लगा। जिसे लेकर उसका पिता बदलू से विवाद शुरू हो गया। पिता ने पैसे देने से इनकार कर दिया तो निरंकार ने गुस्से में आकर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। एक के बाद एक सिर पर कई वार किए। पिता खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़े।

बीच–बचाव करने आई मां संजू देवी (56), बहन पार्वती (42) और दादी शीतला देवी (80) को भी कुल्हाड़ी से काट डाला। चीख–पुकार सुनकर दूसरे कमरे में मौजूद बड़ा भाई गुरुदेव बीच–बचाव करने आया तो उस पर भी टूट पड़ा। हमले में गुरदेव वर्मा भी गंभीर घायल हो गए।

हत्याकांड को अंजाम देने के बाद पकड़े जाने के डर से निरंकार ने खुद को भी खत्म करने की सोची। अपने सिर पर ईंट से ताबड़तोड़ वार करने लगा। बहुत खून बह जाने की वजह से बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा। चीख–पुकार सुनकर आस पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची।

सभी घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां पर बदलू, संजू, पार्वती और शीतला देवी को मृत घोषित कर दिया गया। गुरुदेव का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। निरंकार को लखनऊ के ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने मौके से खून से लथपथ कुल्हाड़ी और खून से सनी ईंट बरामद कर ली है। घटना का एकमात्र चश्मदीद गवाह गुरुदेव का 10 साल का बेटा आजाद बाल–बाल बच गया। वह घटना के समय पिता के साथ दूसरे कमरे में था। शोर–शराबा सुनकर वह बाहर आया। चाचा को देखकर बाहर ही छिप गया। अपनी आंखों से पूरा हत्याकांड देखता रहा। फिलहाल पुलिस ने आजाद को अपनी सुरक्षा में ले लिया है। उससे घटना के बारे में जानकारी ले रही है। गुरुदेव वर्मा ने थाना रुपईडीहा में लिखित तहरीर देकर निरंकार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने निरंकार को गिरफ्तार कर इलाज के लिए लखनऊ भेजा है। उसके ठीक होने पर विस्तृत पूछताछ की जाएगी। कुछ ही घंटों में गोंडा रवाना होने वाला था परिवार

आस–पड़ोस में रहने वाले लोगों ने बताया– गुरदेव का पूरा परिवार 'जय गुरुदेव' का अनुयायी था। पूरा परिवार सोमवार सुबह ही गोंडा में आयोजित जय गुरुदेव के समागम में रवाना होने वाला था। मृतका पार्वती भी परिवार के साथ गोंडा जाने के लिए रविवार सुबह ही ससुराल से अपने मायके पहुंची थी। पार्वती की शादी श्रावस्ती के मल्हीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत लोखरियन पुरवा गांव में पप्पू वर्मा के साथ हुई थी। उनके दो बच्चे हैं।

लोगों ने बताया कि परिवार के पास लगभग 18 बीघा कृषि भूमि थी। दोनों भाई आपस में आधा–आधा बांटकर खेती करते थे। दोनों के बीच खुला विवाद पहले कभी सामने नहीं आया। करीब 15 साल पहले पिता ने थनही गांव में 12 बिसवा जमीन बेची थी। उससे मिले पैसों से गांव में कुछ जमीन खरीदी थी। प्रारंभिक जांच में जमीन और पैसों के बंटवारे को लेकर ही विवाद की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि पड़ोसियों से पूछताछ में पता चला है कि आरोपी निरंकार की शादी लगभग सात वर्ष पहले रुपईडीहा थाना क्षेत्र के बीरपुर गांव में हुई थी। परिजनों के अनुसार, विवाह के करीब दो वर्ष बाद उसकी पत्नी घर छोड़कर चली गई थी। उनकी कोई संतान नहीं है। पत्नी के छोड़कर जाने के बाद से वह मानसिक तनाव में रहता था।

होली से ठीक पहले हुए इस सामूहिक हत्याकांड ने पूरे गांव को दहला दिया है। एक ही घर से चार अर्थियां उठने से माहौल गमगीन है। पुलिस का दावा है कि कानून–व्यवस्था सामान्य है, लेकिन एहतियातन अतिरिक्त बल तैनात रखा गया है।

एकजुटता ही समाज की सबसे बड़ी ताकत

संवाददाता–महराजगंज। नगर पालिका क्षेत्र के चिउरहा में साहू तैलिक कल्याण समिति सम्बद्ध भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा की मासिक बैठक हुई। इसमें संगठन की मजबूती, समाज की एकजुटता, होली मिलन कार्यक्रम व समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राम सेवक साहू ने की और संचालन गोविन्द गुप्ता ने किया। बैठक में समाज से जुड़े मुद्दों पर डीएम के माध्यम से सरकार को ज्ञापन भेजने का निर्णय लिया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए समाज को सजग व संगठित रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या अपमानजनक व्यवहार को समाज बर्दाश्त नहीं करेगा।

जिला संयोजक लालजी प्रसाद गुप्ता ने कहा कि समाज आत्मनिर्भर है और हमेशा देशहित में कार्य करता आया है। ई. जेपी गुप्ता ने समाज को बुद्धिमत्ता व धैर्य से कार्य करने की सलाह देते हुए घर–घर जाकर लोगों को जागरुक करने पर जोर दिया। कोषाध्यक्ष कुमार गुप्ता ने कहा कि समाजहित में सभी को तन, मन व धन से सहयोग करने तथा संगठन के आह्वान पर तत्पर रहने की जरूरत है। ब्लॉक अध्यक्ष बद्री विशाल गुप्ता ने न्याय पंचायत स्तर तक संगठन को सक्रिय करने की बात कही। वहीं सोहनलाल गुप्ता ने सभी पदाधिकारियों से अपने दायित्व व पद की गरिमा को समझते हुए संगठन को सशक्त बनाने का आह्वान किया।

12 पेटी अवैध शराब बरामदः पुलिस ने तस्कर को ऑटो समेत पकड़ा

संवाददाता–देवरिया। जिले में होली के मद्देनजर अवैध शराब तस्करी के खिलाफ अभियान तेज हो गया है। इसी क्रम में खामपार थाना पुलिस ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ऑटो से 12 पेटी अवैध देशी शराब बरामद की। पुलिस ने एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया है।

खामपार पुलिस टीम क्षेत्र में सघन वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी। सोमवार दोपहर खैराट पुल के पास वाहनों की जांच के दौरान एक तीन पहिया वाहन (ऑटो) संदिग्ध अवस्था में आता दिखा। पुलिस को देखकर चालक घबरा गया और ऑटो रोककर भागने का प्रयास करने लगा। हालांकि, ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए उसका पीछा किया और कुछ दूरी पर पकड़ लिया।

ऑटो (रजिस्ट्रेशन नंबर यूपी 52 एटी 2060) की तलाशी लेने पर उसमें छिपाकर रखी गई 12 पेटी अवैध देशी शराब बरामद हुई। यह शराब बंटी बबली ब्रांड की बताई गई है। पुलिस ने शराब जब्त कर ऑटो को भी सीज कर दिया है।

गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान अखिलेश गोड़ पुत्र रामसनेही गोड़, निवासी लक्ष्मणपुर, थाना भाटपार रानी, जनपद देवरिया के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में उसने बताया कि वह यह शराब ऑटो में लादकर बिहार ले जा रहा था।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि होली पर्व के मद्देनजर सीमावर्ती इलाकों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। अवैध शराब की तस्करी रोकने के लिए लगातार चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कार सवार हमलावरों ने मारी गोली, दो घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। भयापुरवा गांव पास भिनगा की ओर से जा रहे बाइक सवारों पर कार सवारों ने असलहे से फायर कर दिया। जिसमें एक के पैर तो दूसरे के हाथ में गोली लगी और दोनों घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। सिरसिया थाना क्षेत्र के दुर्गापुर गांव निवासी सुनील दत्त त्रिपाठी (35) पुत्र कृपाराम सोमवार सुबह अपने गांव के ही निवासी अर्जुन गोस्वामी (40) पुत्र सुन्दर के साथ बाइक से भिनगा आया था। जहां से दोपहर में दोनों वापस घर लौट रहे थे। भिनगा–लक्ष्मणपुर मार्ग पर भिनगा कोतवाली क्षेत्र के भयापुरवा गांव के पास पहुंचते ही कुछ कार सवारों ने सामने से कार से बाइक को टक्कर मार दी।

जिससे दोनों बाइक समेत गिर गए। इसके बाद कार से उतरे दो हमलावरों ने असलहा निकालकर दोनों पर फायर कर दिया। असलहे से निकली गोली सुनील के हाथ में व अर्जुन के पैर में जा लगी और दोनों घायल हो गए। वहीं गोली चलने की आवाज सुनकर आस पास मौजूद लोग दौड़ पड़े। लोगों को आता देख हमलावर मौके से फरार हो गए। सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर भिनगा कोतवाली की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भिनगा में भर्ती कराया। एएसपी मुकेश चन्द्र उत्तम ने अस्पताल पहुंचकर घायलों की स्थिति का जायजा लिया। घटना भूमि विवाद से जुड़ा हुआ है। घायल सुनील दत्त त्रिपाठी ने बताया कि गांव के ही कुछ लोगों से भूमि विवाद चल रहा है। न्यायालय से भूमि विवाद का उनके पक्ष में निस्तारण हो चुका है। इसी बात से आहत होकर विपक्षी अवधेश कुमार, अभिनव, राजकिशोर व बबलू ने इस घटना को अंजाम दिया है। मुकेश चंद्र उत्तम, अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुराने भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ है। जिसमें फायरिंग से एक पक्ष के दो व्यक्ति घायल हुए है। एक व्यक्ति के हाथ में गोली लगी है व दूसरे के पैर में चोट आई है। घायलों का उपचार हो रहा है। तहरीर के आधार पर अवधेश तिवारी समेत चार लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। टीम बना दी गई है। आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

सांप ने बुजुर्ग को काटा, सांप को लेकर पहुंचा अस्पताल

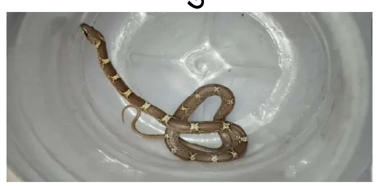

संवाददाता–बहराइच। हरदी इलाके में भूसा भरते समय एक बुजुर्ग को सांप ने काट लिया। इसके बाद बुजुर्ग सांप को एक डिब्बे में बंद कर इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंच गए। डॉक्टरों ने सांप को देखने के बाद उनका इलाज शुरू कर दिया है। सांप करैत बताया जा रहा है। सोमवार को हरदी क्षेत्र के एक गांव में हुई। 60 वर्षीय बृजभान पांडे अपने घर के अहाते में मवेशियों के लिए भूसा भर रहे थे। तभी भूसे में छिपे एक जहरीले सांप ने उनकी उंगली पर काट लिया। सांप के काटने के बाद बृज भान ने पास रखे चिमटे से उसे पकड़ लिया और एक डिब्बे में बंद कर दिया।

उन्होंने तुरंत अपने परिजनों को सांप के काटने की जानकारी दी। परिजन बृजभान और डिब्बे में बंद सांप को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा उनका इलाज किया जा रहा है। उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है इलाज कर रहे चिकित्सक ने बताया कि सांप को देखने से सर्पदंश से पीड़ित व्यक्ति का बेहतर इलाज संभव हो पाता है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि बुजुर्ग को काटने वाला सांप जहरीला था, लेकिन छोटा होने के कारण उसका जहर शरीर में तेजी से नहीं फैला।

नेपाल चुनाव और होली के मद्देनजर सीमा पर हाई अलर्ट एसएसबी का सघन निरीक्षण, नेपाल के जवानों संग मनाई रंगों की होली

संवाददाता–श्रावस्ती। जनपद से सटे नेपाल में आगामी आम चुनाव के मद्देनजर भारत–नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), भिनगा के कमांडेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण के नेतृत्व में सीमा क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण कर सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया गया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सीमा पर तैनात जवानों की सतर्कता, नियमित गश्ती व्यवस्था और निगरानी तंत्र की गहन समीक्षा की। कमांडेंट ने जवानों को निर्देश दिए कि नेपाल में चुनाव के दौरान किसी भी अवांछित गतिविधि को रोकने के लिए विशेष सतर्कता और आपसी समन्वय बनाए रखना अनिवार्य है।

इस दौरान एसएसबी के अधिकारियों और जवानों ने नेपाल सशस्त्र प्रहरी बल (एपीएफ) के कर्मियों से शिष्टाचार भेंट की। दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल, सूचनाओं के आदान–प्रदान और सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखने पर सार्थक चर्चा हुई। आगामी होली पर्व पर एक–दूसरे को शुभकामनाएं भी दी गईं, जो भारत–नेपाल मैत्री संबंधों की मजबूती का प्रतीक रहा।

कमांडेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण और अन्य अधिकारियों ने वाहिनी की सभी 12 सीमा चौकियों का भ्रमण कर सुरक्षा इंतजामों की बारीकी से समीक्षा की। जवानों को मुस्तैदी से ड्यूटी निभाने और हर परिस्थिति में सजग रहने का संदेश दिया गया।

होली के अवसर पर सीमा पर तैनात जवानों के बीच उत्साह का माहौल देखा गया। अधिकारियों ने जवानों के साथ रंग और गुलाल लगाकर होली मनाई तथा उनका उत्साहवर्धन किया। कमांडेंट ने अपने संबोधन में कहा कि सीमा की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और प्रत्येक जवान अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, अनुशासन और सजगता के साथ करें।

उन्होंने सभी अधिकारियों और जवानों को होली की शुभकामनाएं देते हुए उनके समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा की भावना की सराहना की। 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति, सुरक्षा और सौहार्द बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

जनता दर्शन मे पंकज चौधरी ने सुनीं जन समस्याएं

संवाददाता–महराजगंज। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को अपने आवास पर जनता दर्शन कार्यक्रम के तहत जनसुनवाई की। इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे, जिससे आवास परिसर में लंबी कतारें देखी गईं। जनता दर्शन में बिजली, सड़क, पानी, आवास, पेंशन, राजस्व विवाद, छात्रवृत्ति और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े मामले प्रमुखता से सामने आए। मंत्री पंकज चौधरी ने सभी फरियादियों की समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। कई प्रकरणों में उन्होंने मौके पर ही विभागीय अधिकारियों से फोन पर बात कर समाधान प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा। ग्रामीण क्षेत्रों से आए किसानों ने खाद की उपलब्धता, नलकूपों की मरम्मत और सिंचाई व्यवस्था में सुधार की मांग की। युवाओं ने रोजगार और भर्ती प्रक्रिया से संबंधित मुद्दे उठाए। महिलाओं ने राशन कार्ड, उज्ज्वला योजना और पेंशन संबंधी समस्याओं के समाधान की गुहार लगाई। मंत्री ने सभी को आश्वस्त किया कि प्रत्येक मामले की गंभीरता से जांच कर उसका त्वरित निस्तारण किया जाएगा। पंकज चौधरी ने दोहराया कि जनता की सेवा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

बनेगी बड़ी गोशाला, पांच गांवों की जमीन चिह्नित, विभाग ने जिलाधिकारी को भेजी फाइल

संवाददाता–बलरामपुर। बेसहारा गोवंश संरक्षण योजना के तहत जिले में वृहद गोशाला निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए विभाग ने पांच पंचायत में वृहद गोशाला निर्माण के जमीन चयन कर जिलाधिकारी के अनुमोदन के लिए भेजा है। स्वीकृति के बाद शासन से गोशाला निर्माण के बजट की मांग की जाएगी। योजना के तहत जिस पंचायत में आधा हेक्टेयर से अधिक बंजर जमीन है, वहां गोशाला निर्माण कराए जाएंगे। तीनों तहसीलों में लेखपाल एवं पशु चिकित्सक के सत्यापन में पांच गांव में पर्याप्त जमीन मिलने पर विभाग ने वृहद गोशाला का प्रस्ताव किया है। कारण– एक अप्रैल से 100 से कम संरक्षित पशु वाली गोशाला बंद कर दी जाएगी। यहां के पशुओं को वृहद गोशाला में संरक्षित किया जाएगा।

गोशाला में कम पशु संरक्षित होने से विभाग का पशुओं के देख–रेख पर अधिक खर्च आ रहा है। इसको लेकर वृहद गोशाला का संचालन किया जाएगा। 50 से कम पशु वाले गोशाला बंद कराने का निर्देश करीब दो माह पूर्व मिला है। जिले में आठ ऐसे गोशाला चिह्नित किए गए है। इन गोशाला में संरक्षित पशुओं को अन्य गोशाला में संरक्षित कराने के विभाग ने संबंधित खंड विकास अधिकारी को पत्र जारी किया है। उतरौला तहसील के विकास खंड गैडासबुर्जुग के ग्राम पंचायत बिलारिया में वृहद गोशाला निर्माण के लिए 1.039 हेक्टेयर व गैडासबुर्जुग में 0.571 हेक्टेयर जमीन का चयन पशुपालन विभाग एवं राजस्व विभाग द्वारा किया गया है। इसी तरह सदर तहसील के हरैयासतघरवा ब्लाक के पंचायत इमलिया में 1.2 हेक्टेयर व इटवा में 1.036 हेक्टेयर व तहसील तुलसीपुर में ग्राम चौरासी में 1.039 हेक्टेयर, कल्याणपुर में 1.153 हेक्टेयर व पुरुषोत्तमपुर में 1.437 हेक्टेयर जमीन का चयन प्रस्ताव के पशुपालन विभाग अनुमोदन के लिए डीएम को भेजा है।

जिले में वृहद गोशाला जमीन चिह्नित कर प्रस्ताव शासन में भेजना का निर्देश मिला है। तीनों तहसील में पांच ग्राम पंचायत में जमीन का चयन किया गया है। अनुमोदन के लिए जिलाधिकारी को फाइल भेज दिया गया है। अनुमोदन के बाद शासन से बजट की मांग की जाएगी। वृहद गोशाला निर्माण के विभाग ने तीनों तहसील के पांच पंचायत में जमीन का चयन किया है। –डॉ. राजेश शर्मा, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी

होली पर 108, 102 एंबुलेंस सेवा 24 घंटे अलर्ट

संवाददाता–कुशीनगर। कुशीनगर में होली पर्व के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए जनपद में 108 और 102 एंबुलेंस सेवाओं को 24 घंटे हाई अलर्ट पर रखा गया है। शासन के निर्देश पर सभी एंबुलेंस कर्मियों को विशेष दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं, ताकि त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा सके। जरूरत पड़ने पर नागरिक 108 या 102 नंबर डायल कर सकते हैं, जिसके बाद एंबुलेंस कुछ ही देर में मौके पर पहुंच जाएगी। 108 एवं 102 एंबुलेंस सेवा प्रदाता संस्था के प्रोग्राम मैनेजर रौशन यादव ने बताया कि सभी कर्मचारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने 24*7 निर्बाध एंबुलेंस सेवा उपलब्ध कराने को अपनी प्राथमिकता बताया। त्योहार के मद्देनजर, 108 एंबुलेंस को विशेष रूप से चिन्हित स्थानों, दुर्घटना संभावित क्षेत्रों और थानों के आसपास तैनात किया जाएगा। इसका उद्देश्य आपात स्थिति में मरीजों को न्यूनतम समय में अस्पताल पहुंचाना है। सभी एंबुलेंस ऑक्सीजन, आवश्यक दवाओं और जीवनरक्षक उपकरणों से सुसज्जित रहेंगी, साथ ही प्रशिक्षित स्टाफ भी 24 घंटे ड्यूटी पर मौजूद रहेगा। सड़क दुर्घटना, आग से झुलसना, हार्ट अटैक, सांस लेने में दिक्कत, पेट दर्द, किडनी या लिवर संबंधी समस्या जैसी किसी भी आपात स्थिति में 108 नंबर पर कॉल करके निःशुल्क सेवा प्राप्त की जा सकती है।

श्री सतगुरु बधाई भवन में संतों ने ठाकुर जी के साथ खेली फूलों की होली

–भारतीय बस्ती संवाददाता–. .अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या में वैसे तो बसंत पंचमी से ही होली का रंग चटक होने लगता है लेकिन फागुन शुक्ल पक्ष की रंगभरी एकादशी के तिथि से यह पूरे अपने शबाब पर होता है एकादशी के दिन सुबह अयोध्या के सभी मंदिरों में ठाकुर जी को गुलाल लगाकर के होली उत्सव का शुभारंभ किया जाता है और प्रत्येक मंदिरों में अपने–अपने परंपरा और संस्कृति के अनुसार होली उत्सव मनाया जाता है इसी क्रम में स्वर्गद्वार स्थित श्री सद्गुरु बधाई भवन मंदिर में पीठाधीश्वर महंत राजीवलोचन शरण महाराज के संयोजन में होली उत्सव का शुभारंभ हुआ जिसमें ठाकुर जी को गुलाल लगाया गया सभी उपस्थित संतो महंतों को इत्र लगाया गया और फूलों की होली प्रारंभ हो गई यह अद्भुत अलौकिक क्षण देखकर मंदिर परिसर में उपस्थित लोग मंत्रमुग्ध हो गए। फूलों की होली के साथ होली गीत भी गाए जाने लगे जिसमें होली खेले अवध में रघुवीरा .... केकरे हाथे कनक पिचकारी केकरे हाथे अबीरा अवध में होली खेले रघुवीरा होली खेले रघुवीरा अवध में होली खेले रघुवीरा जैसे गीतों से पूरा परिसर मंत्र मुक्त हो गया। महंत राजीवलोचन शरण महाराज ने बताया कि पूर्वाचार्यों द्वारा बनाई गई परंपरा का आज भी मंदिर परिसर में निर्वहन किया जाता है इसी क्रम में रंगभरी एकादशी से मंदिर परिसर में यह उत्सव मनाया जाता है जिस के क्रम में भगवान को होली के रंग बिरंगे वस्त्र पहनाए जाते हैं और इत्र गुलाल आदि से उनको सुशोभित किया जाता है ऐसी अनुपम अलौकिक छवि देखकर संत जन आनंदित और भावविभोर होते यही है अवध और संतों की होली। इस पर सहित सैकड़ों संत महंत एवं श्रद्धालु भक्तजन उपस्थित रहे।

संघ के समन्वय बैठक में मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष की मौजूदगी में चर्चा

संवाददाता–गोरखपुर। राष्ट्रीय स्वयं संघ के गोरक्ष प्रांत और भाजपा के प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ सोमवार को सर्किट हाउस परिसर स्थित एनेक्सी भवन में बैठक हुई।

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संगठन मंत्री धर्मपाल, क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, प्रदेश उपाध्यक्ष डाक्टर धर्मेंद्र सिंह की मौजूदगी रही। बैठक में 2027 में प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति पर चर्चा हुई। इसके पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ठीक 10.55 बजे हेलीपेड पर पहुंचे। जहां भाजपा के पदाधिकारी स्वागत को पहुंचे।

वे सीधे सर्किट हाउस गए और बैठक में शामिल हुए। बैठक के बाद मुख्यमंत्री गोरखनाथ मंदिर पहुँचे, जहां उन्होंने गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन किया। मुख्यमंत्री शाम 4 बजे पांडेयहाता में आयोजित होलिका दहन कार्यक्रम में भाग लेंगे।

रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से कटकर एक व्यक्ति की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। पीपीगंज रेलवे स्टेशन पर एक दर्दनाक हादसे में 50 वर्षीय एक व्यक्ति की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। घटना प्लेटफॉर्म संख्या एक पर ओएचई पोल संख्या 22छ9–11 के बीच हुई। सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल आरपीएफ और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया गया, हालांकि मरने वाले व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई है। रेलवे कर्मचारियों के अनुसार गाड़ी संख्या 15070 प्लेटफॉर्म संख्या 1 से रात 12रू48 बजे रवाना हुई थी। ट्रेन के प्रस्थान के कुछ देर बाद एक यात्री ने ट्रैक पर शव पड़े होने की सूचना दी थी।

जमीन विवाद को लेकर नव–निर्मित शिव मंदिर तोड़े

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जमीन विवाद के चलते नव–निर्मित शिव मंदिर को क्षतिग्रस्त किए जाने का मामला सामने आया है। घटना का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें कुछ महिलाएं ईंटों से मंदिर को तोड़ती हुई दिखाई दे रही हैं। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मौके पर पहुंची टीम को मंदिर पूरी तरह टूटा हुआ मिला। करीब 10 फीट ऊंचा, 4 फीट चौड़ा और 4 फीट लंबा मंदिर, जिसका चबूतरा लगभग 10•10 फीट का बनाया गया था, पूरी तरह ढहा दिया गया। ईंटें और निर्माण सामग्री चारों ओर बिखरी पड़ी थीं। मामला शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत एकडेगा भावपुर के टोला हतवा का है। मंदिर निर्माण कराने वाले अंगद का कहना है कि यह जमीन उनके परिवार की पैतृक संपत्ति है।

उनके पिता राम अचल ने अपने हिस्से की भूमि पर भगवान शिव का मंदिर बनवाया था। अंगद के मुताबिक, पड़ोसी पहले से इस जमीन पर दावा करते रहे हैं, लेकिन मंदिर उनके हिस्से की जमीन पर ही बनाया गया था। बताया गया कि रविवार को पूरे विधि–विधान से मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा और पूजन कार्यक्रम आयोजित हुआ था, जिसमें गांव के लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। आरोप है कि पूजन के कुछ ही घंटों बाद पड़ोस में रहने वाली कांति और उसकी देवरानी मौके पर पहुंचीं और ईंटों से मंदिर के ढांचे पर प्रहार कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। परिवार के लोगों ने रोकने की कोशिश की, लेकिन वे नहीं मानीं। इसके बाद पुलिस आपातकालीन सेवा 112 पर सूचना दी गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। पीड़ित राम अचल और उनके पुत्र ने थाने में लिखित तहरीर देकर आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

इंजेक्शन लगाकर बच्ची की जान लेने वाला आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। बीमार बच्ची को इंजेक्शन लगाने वाले मेडिकल स्टोर संचालक पर केस दर्ज कर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। इंजेक्शन लगने के कुछ देर बाद बच्ची की मौत हो गई थी। पुलिस ने बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बांसगांव थाना क्षेत्र के माल्हनपार चौराहे से सटे जोहराबाद स्थित एसएन मेडिकेयर सेंटर के संचालक ने रविवार को बुखार से पीड़ित नौ साल की बच्ची दिव्या को इंजेक्शन लगाया था, जिससे थोड़ी देर बाद उसकी मौत हो गई। मसूरिया गांव निवासी दिनेश की पत्नी शशिकला ने बांसगांव थाने पर तहरीर दी थी। जिस पर पुलिस ने आरोपी मेडिकल स्टोर संचालक अरुण कुमार उर्फ मुन्ना के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। शशिकला ने बताया कि बच्ची को बुखार था। गांव के पास जोहराबाद स्थित मेडिकल स्टोर पर ले गई थी। जहां पर संचालक के इंजेक्शन लगाते ही बच्ची की हालत और खराब हो गई और थोड़ी देर बाद ही उसकी मौत हो गई। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र माल्हनपार उरुवा प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. जेपी तिवारी ने बताया कि मामला मेडिकल स्टोर्स से जुड़ा होने के कारण ड्रग इंस्पेक्टर को लिखित रूप से सूचित किया गया है। उधर, थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच की जा रही है।

वाराणसी हाईवे पर भीषण हादसा: कार की टक्कर से ई–रिक्शा पलटा, एक किशोरी की मौत, पांच घायल

संवाददाता–गोरखपुर। बेलीपार थाना क्षेत्र में आज सुबह गोरखपुरदृवाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। ग्राम मेहरौली के पास सुबह करीब 7:35 बजे तेज रफ्तार एक्सयूवी कार ने ई–रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बेटी आराध्या की मौत हो गई, जबकि तीन वर्ष की बहन रुचि और पिता पिता चंदन व अन्य परिवार को दो लोग गंभीर रुप से घायल हो गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ई–रिक्शा चालक ने सड़क पर अचानक आए कुत्ते को बचाने के लिए वाहन दाहिनी ओर मोड़ दिया। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार एक्सयूवी कार ई–रिक्शा से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ई–रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ई–रिक्शा में चालक समेत दो महिलाएं और एक युवती सवार थीं। सभी बड़हलगंज क्षेत्र के हाटा गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। वहीं कार में सवार दो लोग भी हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सूचना मिलते ही बेलीपार पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एनएचएआई की एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया। इलाज के दौरान एक युवती ने दम तोड़ दिया, जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए बीआरडी मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। फिलहाल घायल लोग अपना नाम–पता बताने की स्थिति में नहीं हैं। क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे खड़ा कर यातायात बहाल कर दिया गया है। पुलिस ने मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

रिक्रूट आरक्षियों को दी होली ड्यूटी ब्रीफिंग

संवाददाता–संतकबीरनगर। महुली थानाध्यक्ष दुर्गेश पांडेय ने पुलिस लाइन से आए नए आरक्षियों को होली पर्व पर ड्यूटी के मामले में विस्तृत ब्रीफिंग दी। उन्होंने होलिका दहन और होली की संवेदनशीलता पर प्रकाश डालते हुए श्क्या करेंश और श्क्या न करेंश के स्पष्ट निर्देश दिए। थानाध्यक्ष ने आरक्षियों को बताया कि त्योहार के दौरान पुलिसकर्मियों का व्यवहार संयमित, शालीन और जनहितकारी होना चाहिए। इसका उद्देश्य आमजन में सुरक्षा और विश्वास की भावना बनाए रखना है। ब्रीफिंग में पुलिसकर्मियों को जनता के बीच सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए निर्देशित किया गया। उन्हें छोटे विवादों को तत्काल बातचीत के माध्यम से सुलझाने, अफवाहों पर कड़ी नजर रखने और संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। थाना प्रभारी ने सभी पुलिसकर्मियों से होली पर्व को शांति, भाईचारे और आपसी सौहार्द के साथ संपन्न कराने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस दौरान जनता के साथ सकारात्मक संवाद स्थापित करने पर भी जोर दिया गया। ब्रीफिंग में एसएसआई परवेज अहमद, एसआई सोमनाथ मिश्रा, कांस्टेबल शम्स तबरेज, नूरुद्दीन खां, अरविंद यादव, सुनील कुमार सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

छात्रावास के वार्डेन पर गिरी गाज, दूसरे को मिला चार्ज

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस के सीनियर छात्र शौर्य गुप्त द्वारा जूनियर छात्रों की रैगिंग करने के मामले में पुरुष छात्रावास के वार्डेन सह आचार्य डॉ. हसमतुल्लाह पर गाज गिरी है। प्राचार्य ने छात्रावास में रैगिंग की घटना से वार्डेन के अनभिग्य रहने पर लापरवाही मानते हुए डॉ. हसमतुल्लाह को पद से हटा दिया है। इनकी जगह पर दूसरे को वार्डेन का चार्ज सौंपा गया है। दरअसल, मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस 2023 बैच का छात्र शौर्य गुप्त पुरुष छात्रावास (मेन बिल्डिंग) में रहकर पढ़ाई करता है जबकि 2025 बैच के छात्र इंटर्न बिल्डिंग में रहकर अध्यापन कार्य करते हैं। सीनियर छात्र जूनियरों का रैगिंग न ले सकें इसके चलते दूरी बनाकर रखा गया है, बावजूद सीनियर छात्र शौर्य गुप्त अपने जूनियर छात्रों को पुरुष छात्रावास (मेन बिल्डिंग) में बुलाकर रैगिंग लेता था। लगभग सप्ताह भर से अधिक समय से जूनियर छात्रों को मेन बिल्डिंग में बुलाकर रैगिंग लिया जाता रहा। इस पूरे घटना से वार्डेन डॉ. हसमतुल्लाह अनभिग्य रहे और जूनियर छात्रों का हर स्तर से शोषण करते हुए रैगिंग होता रहा। जूनियर छात्रों की शिकायत के बाद सीनियर छात्र शौर्य गुप्त के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराते हुए चार बिंदुओं पर कॉलेज प्रशासन ने एक्शन लिया है। वहीं घटना से अनभिग्य रहने पर वार्डेन डॉ. हसमतुल्लाह को प्राचार्य प्रो. डॉ. राजेश मोहन ने वार्डेन के पद से हटा दिया है। इनकी जगह पर सीनियर रेजिडेंट (एसआर) डॉ. शिवम यादव को पुरुष छात्रावास का वार्डेन नामित किया है। 28 फरवरी को जारी आदेश में प्राचार्य ने उल्लेख किया है कि पुरुष छात्रावास से संबंधित पूर्व के आदेशों को निरस्त किया जाता है।

अयोध्या में लाल–नीली बत्ती लगी गाड़ी पर सवार होकर दबंगई करने का आरोपित गिरफ्तार

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी में 28 फरवरी को दबंगई दिखाने वाले लाल–नीली बत्ती लगी गाड़ी सवार को अयोध्या पुलिस ने लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया है। ट्रक चालक को पीटने के आरोपित एक्सयूवी सवार युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अयोध्या में हाईवे पर ट्रक ड्राइवर व क्लीनर को बेल्ट से पीटने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस सक्रिय हो गई और वीडियो का संज्ञान लेकर लखनऊ से नागेश मिश्रा को गिरफ्तार किया।

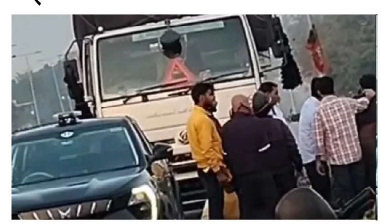

नागेश मिश्रा की एक्सयूवी 300 को भी सीज किया गया है। उसने भौकाल दिखाने के लिए अपने वाहन पर अवैध रूप से लाल–नीली बत्ती लगाई थी। नागेश मिश्र लखनऊ के गाजीपुर थाना क्षेत्र के इंदिरा नगर का है। वह कुशीनगर जिले के रामकोला का मूल निवासी है। 28 फरवरी को हाईवे पर मुमताजनगर क्षेत्र की घटना में नागेश पर मारपीट का आरोप है।

एटा के मिरहची अगरपुर के ट्रक चालक आकाश कुशवाहा ने बताया कि वह खलासी शिवम के साथ उत्तराखंड के रूद्रपुर से बस्ती जा रहे थे।

मुमताजनगर फ्लाईओवर के पास ओवरटेक करने के लिए एक्सयूवी सवार लोगों ने हार्न बजाया। इसके बाद चालक ने ट्रक को बाईं ओर कर लिया। एक्सयूवी चालक ने अपना वाहन दाहिनी ओर से ओवरटेक किया, जिससे दोनों वाहन आपस में टच हो गए। इसके बाद एक्सयूवी सवार लोगों ने ट्रक रोक कर चालक एवं खलासी की फ्लाईओवर पर जमकर पिटाई की। आकाश ने बताया कि एक्सयूवी पर लाल–नीली बत्ती लगी हुई थी। जांच में सामने आया कि एक्सयूवी पर लखनऊ का रजिस्ट्रेशन नंबर है, जो किसी प्रियांशु बजाज के नाम है।

पूछताछ में पता चला कि एक्सयूवी को शादी में जाने के लिए दो युवक वाहन स्वामी से मांग कर ले गए थे। अवैध रूप से उन्होंने वाहन पर सरकारी बत्ती लगाई थी। सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी ने बताया कि मुख्य आरोपी नागेश को गिरफ्तार कर लिया गया है।

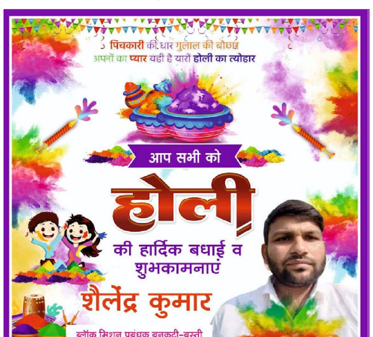

डीएम–एसपी ने मेंहदावल में होली सुरक्षा का लिया जायजा

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में आगामी होली और रमजान त्योहारों के मद्देनजर जिलाधिकारी आलोक कुमार और पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मेंहदावल थाना क्षेत्र के कस्बा मेंहदावल और पक्कापोखरा मंदिर के विभिन्न इलाकों में पैदल गश्त की। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान कोई नई परंपरा शुरू न की जाए। उन्होंने सीओ और एसओ को हर छोटी घटना पर तुरंत कार्रवाई करने के लिए कहा, साथ ही चेतावनी दी कि किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी ।अधिकारियों ने होलिका दहन स्थलों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों से होली के त्योहारों को परंपरागत और शांतिपूर्ण ढंग से मनाने का आह्वान किया। यह भी स्पष्ट किया गया कि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की नई व्यवस्था या परंपरा की शुरुआत न की जाए। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की। उन्होंने चेतावनी दी कि सुरक्षा और शांति व्यवस्था में बाधा डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। गश्त के दौरान उपजिलाधिकारी मेंहदावल, क्षेत्राधिकारी मेंहदावल सर्वदवन सिंह, थानाध्यक्ष मेंहदावल सुरेंद्र कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक पीआरओ पी के गुप्ता सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

कायाकल्प–मुस्कान पुरस्कार, 50 से अधिक डॉक्टर–नर्सिंग ऑफिसर सम्मानित

संवाददाता–संतकबीरनगर। खलीलाबाद स्थित संयुक्त जिला चिकित्सालय में कायाकल्प–मुस्कान पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सीएमओ डॉ. रामानुज कनौजिया ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में सभी डॉक्टर, नर्सिंग ऑफिसर और कर्मचारी उपस्थित रहे। सीएमओ डॉ. रामानुज कनौजिया ने 50 से अधिक डॉक्टरों और नर्सिंग ऑफिसरों को कायाकल्प एवं मुस्कान पुरस्कार से सम्मानित किया। उन्हें प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्रदान किए गए। सम्मानित होने वालों में सीएमएस डॉ. राम प्रवेश, वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ. रमाशंकर, डॉ. अजय सिंह, डॉ. एसआर कन्नौजिया, आर्थो सर्जन डॉ. एलसी यादव, डॉ. अमित सिंह, डॉ. संतोष त्रिपाठी, डॉ. एपी मिश्र, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. एसबी गौतम, डॉ. विजय गुप्ता, डॉ. डीपी सिंह, डॉ. शशि सिंह, डॉ. नेहा सिंह, डॉ. श्रेया सिंह, डॉ. शेख मोहम्मद फैजान, डॉ. राम गोपाल, डॉ. एसके यादव, डॉ. एसपी सिंह, डॉ. माज फारूकी सहित कई अन्य डॉक्टर शामिल थे। अस्पताल के अनुभाग इंचार्ज शशि श्रीवास्तव, किरन, विंदुमती मिश्रा, अर्चना पाण्डेय, गीता गौतम, पूर्णिमा, संजू चौरसिया सहित अन्य स्टाफ सदस्यों को भी सम्मानित किया गया। सीएमओ कार्यालय से राजेंद्र बाबू, सुनील कुमार, राजकुमार, गुलेंद्र यादव, अभय त्रिपाठी, महेंद्र त्रिपाठी समेत अन्य डॉक्टर और स्टाफ भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इसी कार्यक्रम के दौरान निवर्तमान सीएमएस डॉ. राम प्रवेश का विदाई समारोह भी आयोजित किया गया।

पश्चिम एशिया तनाव से सोना–चांदी में उछाल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सर्राफा बुलियन एसोसिएशन दिल्ली के हवाले से स्थानीय कारोबारियों का कहना है कि वैश्विक अनिश्चितता के चलते सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग बढ़ी है। शोहरतगढ़ स्वर्णकार संघ अध्यक्ष शिव प्रसाद वर्मा ने कहा कि किसी भी प्रकार का युद्ध विश्व अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं होता। इसका प्रभाव ईंधन मूल्यों पर भी पड़ सकता है, जिससे आम नागरिकों और किसानों पर अतिरिक्त बोझ बढ़ेगा।

नेपाल चुनाव से पहले सीमा पर शराब बिक्री बंद

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। नेपाल में आगामी पांच मार्च को होने वाले प्रतिनिधि सभा चुनाव को लेकर मतदान से सात दिन पूर्व शराब की बिक्री और वितरण पर पूर्ण प्रतिबंध लागू कर दिया गया है। होली से ठीक पहले लागू इस निर्णय का असर भारत–नेपाल सीमा क्षेत्र में स्पष्ट दिखाई देने लगा है। नेपाल सरकार ने निर्वाचन आयोग के निर्देश पर कानून–व्यवस्था सुदृढ़ रखने और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है। प्रतिबंध अवधि में होटल, मदिरालय, भोजनालय और खुदरा दुकानों पर मदिरा की बिक्री पूरी तरह बंद रहेगी।

आदेश का उल्लंघन करने पर जुर्माना तथा कड़ी कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। प्रशासन ने सख्ती बरतते हुए सभी मदिरा दुकानों को बंद करा दिया है।

नेपाल में बिक्री बंद होने के बाद सीमावर्ती भारतीय क्षेत्रों की दुकानों पर ग्राहकों की संख्या बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार नेपाल के कुछ लोग सीमा पार कर भारतीय बाजारों का रुख कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि चुनाव अवधि तक यह स्थिति बनी रह सकती है।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com